CMYK

www.maharashtracrimes.in
Email : editor@maharashtracrimes.in

www.maharashtracrimes.blogspot.in
maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष 20 | अंक 05 | मुंबई, 05 मार्च 2021 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

रोहिणी सोनावने / पाटिल, अजित अरेंजा, रतिलाल पटोरिया तीनो

आखिर किसके आशीर्वाद से चला रहे है देह व्यापार का धंधा ?

महाराष्ट्र क्राइम्स सवाददाता

नवी मुंबई : नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत आने वाले सी.बी.डी. पुलिस थाने की हद में १००३, १०वां माला, प्लाट क्र. ६६/ए कोन्कोर्ड प्रीमाईसेस को.-ऑप. सोसायटी, सेक्टर ११, सी.बी.डी. बेलापुर में रोहिणी सोनावने / पाटिल आज लगभग पांच साल से इलाईट द फॅमिली स्पा एंड सलून मसाज पार्लर के आड़ में मजबूर व लाचार लड़कियों का फायदा उट्ठाकर उन्ही लड़कियों से देह व्यापार का धंधा चला रही है.

स्थानीय लोगों के अनुसार यह मसाज पार्लर में जो देह बिक्री का धंधा आज लगभग पांच साल से चल रहा है. इसकी जानकारी स्थानिक सी.बी.डी. बेलापुर पुलिस थाने के अधिकारियों को नहां१ है. यह अनुमान इस बात से लगाया जा रहा है. जब भी पुलिस इस ईमारत के इर्द गिर्द गस्त पर आती है. उस वक्त इमारत के नीचे गेट पर सुरक्षा गार्ड शिवा सिंह, अपने मोबाईल से पार्लर मालकिन रोहिणी के मोबाईल ९८२०४ ***** / ९६१९६७***** पर पुलिस के आने की सूचना देकर पहले ही उसे सावधान कर देता है, इससे पार्लर मालकिन रोहिणी और उनके पास काम करने वाली लड़कियों के साथ ग्राहक यह सभी सतर्क हो जाते है. इस काम के लिये रोहिणी सुरक्षा गार्ड को हर माह तनखा के रूप में पैसे दिया करती है. इसलिए सुरक्षा गार्ड भी बड़ी ईमानदारी से रोहिणी के इस पार्लर की सुरक्षा अपने कर्तव्य को कर पूरी तरह से निभा रहा है.

स्थानीय लोगों के अनुसार इस ईमारत में रोहिणी के इस मसाज पार्लर के कारण कई लोगो को काफी तकलीफ है, लेकिन इस इमारत के चेयरमैन अजित अरेंजा और सेक्रेटरी रतिलाल पटोरिया यह दोनों लोगों के कारण रोहिणी आज तक इस ईमारत में जमी हुई है. बताया जाता है कि जब कभी भी किसी बड़े पुलिस अधिकारी ने इस मसाज पार्लर के विषय में कुछ करना भी चाहा तो इस ईमारत के सेक्रेटरी१ और चेरमैन यह दोनों मिलकर मामले को रफा–दफा कर देते है. सोचने वाली बात है कि सेक्रेटरी और चेयरमैन आखिर रोहिणी की इतनी मदद क्यों करते है? कही ऐसा तो नहीं यह मसाज पार्लर के असली मालिक सेक्रेटरी और चेयरमैन है? इन दोनों ने योजना अनुसार रोहिणी को आगे रखा हो? और रोहिणी को हर माह कुछ प्रतिशत रकम तय किया हो? जो समय अनुसार बराबर दिया करते होंगे?

पार्लर मालकिन
रोहिणी सोनावणे / पाटिल

सेक्रेटरी रतिलाल पटोरिया
पर्दे की आड में पार्लर का सूत्रधार

स्थानीय जानकारों का कहना है कि इलाईट द फॅमिली स्पा एंड सलून स्पा पर कई बार स्थानिक सी.बी.डी.बेलापुर पुलिस थाने के अधिकारियों ने भादंवी की धारा २९४ के तहत कानूनी कार्रवाई भी की है. इसके बाद भी यह पार्लर आज भी बिना किसी रोकटोक के इसलिए चल रहा है. यहां तक कि एक स्पा संचालक ने यह भी बताया कि रोहिणी की इन पांच सालो में चेयरमैन और सेक्रेटरी के माध्यम से कई पुलिस अधिकारियों से इतनी पहचान बन गई है कि आज नवी मुंबई के कई बड़े पुलिस अधिकारियों जो रोहिणी को एक तरह से अपना खास मानते है. इसी मान्यता के साथ रोहिणी को नवी मुंबई के कई बड़े पुलिस अधिकारियों ने एक जिम्मेदारी दी है. जिम्मेदारी यह है कि बेलापुर परिसर में अवैध तरीके से चलने वाले मसाज पार्लरो से हर माह पुलिस अधिकारियों के हिस्से के रुपये वसूल करके उन रुपयों को उन पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाने का काम रोहिणी आज तक बराबर करती आ रही है. लगभग तीन माह पहले रोहिणी ने एक मसाज पार्लर के संचालिका को धमकाते हुए मोबाईल पर समाजसेवा शाखा (एस.एस.ब्रांच) के नाम से मासिक रुपये को उस तक पहुंचाने को कहा था.

यही है देह व्यापार का मुख्य अड्डा
इलाईट द फॅमिली स्पा एंड सलून स्पा

हम अपने समाचार पत्र के माध्यम से नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त श्री बिपिन कुमार सिंग, सह पुलिस आयुक्त जय जाधव, अप्पर पुलिस आयुक्त डॉ. बी. जी.शेखर पाटिल, पुलिस उपायुक्त प्रवीन कुमार पाटिल से इस विषय पर यह जानना चाहते हैं कि वह कौन से पुलिस अधिकारी हैं जिन्होंने रोहिणी को नवी मुंबई के पुलिस अधिकारियों के तरफ से रुपए वसूलने को कहा है. इस बात की पूरी तहकीकात की जाये और इमारत के चेयरमैन और सेक्रेटरी से भी जवाब लिया जाये कि रोहिणी के इस अवैध मसाज पार्लर में उनकी क्या भूमिका है?

इसी के साथ इमारत के अध्यक्ष अजित अरेंजा. सचिव रतिलाल पटोरिया, रोहिणी सोनावने / पाटिल और सुरक्षा गार्ड शिवा सिह पर कानूनी कारवाई कर के इलाईट द फॅमिली स्पा एंड सलून को हमेशा हमेशा के लिये बंद कराये यही स्थानिक नागरिको की मांग है।

सोसायटी में किसी भी तरह का व्यापार. व्यवसाय करना होता है तो इसकी जानकारी सोसायटी के सेक्रेटरी चेयरमैन को होती है और उसके लिए ना हरकत दाखला (एन.ओ.सी.) अनिवार्य होती है। जब रोहिणी सोनावणे ने इलाईट द फॅमिली स्पा एंड सलून स्पा शुरू किया तो उस वक्त इस व्यवसाय का स्वरुप सेक्रेटरी रतिलाल पटोरिया महाशय और चेयरमैन अजित अरेंजा इनको जरुर पता होगा. हो सकता है शुरूआती दौर में ये दोनों अनभिज्ञ हों, लेकिन जब कई बार पुलिस ने इस अवैध स्पा पर २९४ जैसी कानूनी कार्रवाई की तो उस वक्त ये दोनों महाशय़ चुप क्यों बैटे?

इनकी यह चुप्पी यही साबित करती है कि इन दोनों के सहयोग और आशिर्वाद से रोहिणी सोनावणे खुलेआम देह व्यापार का धंधा कर रही है। जानकार यह भी बताते हैं कि इस धंधे से आई हुई रकम से इन तीनों ने बेनामी संपत्ति अर्जित की है। रोहिणी सोनावणे तो एक मुखौटा है। असल चेहरा तो रतिलाल पटोरिया और अजित अरेंजा नामक सफेदपोश व्यक्ती हैं। और सूत्रों की माने तो पुलिस कार्रवाई न हो और अगर होती है, तो ये दो सफेद पोशाक में काले कारनामें करने वाले यह दो व्यक्ति किसी वरिष्ठ आय.पी.एस. अधिकारी से फोन करके मामले को को रफा-दफा करते हैं। हम पुल्धिस प्रशासन से इस समाचार पत्र के माध्यम से निवेदन करते हैं कि रोहिणी सोनावणे, रतिलाल पटोरिया और अजित अरेंजा नामक सफेदपोश व्यक्ती पर कार्रवाई करके इलाईट द फॅमिली स्पा एंड सलून स्पा को हमेशा हमेशा के लिए बंद कराएं।

आगामी आकर्षण

एक छुटभैया सडक (रोड) छाप कॉल मास्टर विजय जाधव विजय चौहान इस तरह के कई नामो से चर्चित कथिक पुलिस अधिकारी गुरु शिधाप्पा अम्बादास वाघमारे नामक व्यक्ति के चरित्र पर एक लेख पढ़ना ना भूले...

CMYK

संपादकीय

गुमशुदगी के 95 फीसद मामलों को सुलझाने में रही कामयाब

फिरौती के लिए बच्चे के अपहरण का मामला हो या घरों से भागने वाली युवतियों की तलाशी का अभियान, इस जांबाज महिला पुलिस अधिकारी को हर मामला सुलझाने में महारत हासिल है। इसीलिए मालवणी पुलिस थाने में कार्यरत उषा खोसे को मुंबई पुलिस की ह्यस्पेशल मिसिंग लेडी ऑफिसरह्न कहा जाता है। मुंबई पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 2020 में उषा खोसे ने गुमशुदगी के 90 मामलों में से 87 मामले हल कर रेकॉर्ड कायम किया था, जबकि 2021 में मार्च तक मालवणी पुलिस स्टेशन में दर्ज 15 लापता मामलों में से 13 मामलों को उन्होंने सुलझा लिया है। पीएसआई खोसे ने बताया कि लोगों की सुरक्षा एवं कानून की रक्षा करने के साथ-साथ ऐसे उदास चेहरों पर मुस्कराहट लाना भी उनका उद्देश्य है, जो बच्चों के अपहरण हो जाने या बहन-बेटी के भाग जाने की वजह से टूट चुके हों। बकौल खोसे, पिछले दिनों मालवणी से एक साल की बच्ची का रेस्क्यू ऑपरेशन कर परिजन को सौंपना उनके पुलिस करियर का सबसे यादगार पल रहा। सातारा जिले के मूल निवासी खोसे के माता-पिता किसान हैं। कम पढ़े-लिखे अभिभावक होने के बाद भी उन्होंने बेटी को पढ़ाया। खोसे कहती हैं, ह्यभगोड़े प्रेमी-प्रेमिका या लापता बुजुर्गों की अपेक्षा अपहत बच्चों को खोजना जोखिम भरा काम है, जिसके लिए मैं कभी भी पीछे नहीं हटती। माता-पिता की प्रेरणा ने मुझे हमेशा जोखिम उठाने के लिए प्रेरित किया है। शायद यही वजह है कि मैं गुमशुदगी के इतने सारे मामले सुलझाने में कामयाब रही।' पीआईसी खोसे की काबिलियत को मुंबई पुलिस आयुक्तालय ने भी आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर सराहा है। निश्चित रूप से यह सराहना उनके लिए बड़ा महत्व रखती है। खोसे को अपने काम में जो सफलता मिल रही है, उसकी वजह हैं आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और मजबूत नेटवर्क। वह अपने मामा से भी प्रेरणा लेती हैं। उनके मामा डीवाईएसपी हैं।

प्रयागराज एनकाउंटर:

वाराणसी जेल के डिप्टी जेलर को सरेराह गोलियों से भूना था, अरसे से थी पुलिस को इनकी तलाश

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मुठभेड़ में मारे गए दोनों बदमाशों ने अपने दो साथी शूटरों के साथ वर्ष २०१३ में वाराणसी जिला जेल के डिप्टी जेलर अनिल त्यागी की हत्या कर पूरे राज्य में सनसनी फैला दी थी। एनकाउंटर में मारे गए दोनों बदमाश अमजद उर्फ अंगद उर्फ पिंटू उर्फ डॉक्टर और वकील पांडेय उर्फ राजीव उर्फ राजेश थे। दरअसल, उन दिनों अमजद और वकील के गिरोह का सरगना मुन्ना बजरंगी वाराणसी जिला जेल में बंद था। डिप्टी जेलर त्यागी के कड़क मिजाज और सख्ती से जिला जेल के बंदी खौफ खाते थे। त्यागी की सख्ती के कारण मुन्ना बजरंगी के अलावा उससे जेल में मिलने आने वाले उसके गुर्गे भी खासे परेशान रहते थे।

बजरंगी मोबाइल से अपने गुर्गों से बात भी नहीं कर पाता था। इसके लिए उसने कई बार डिप्टी जेलर त्यागी पर दबाव भी बनवाया, लेकिन उन पर कोई असर नहीं हुआ। इससे आजिज आकर सलाखों के पीछे से ही मुन्ना बजरंगी ने डिप्टी जेलर की

हत्या की साजिश रची। बजरंगी के इशारे पर सतीश उर्फ चंदन ने डिप्टी जेलर त्यागी की रेकी शुरू की।

इसके बाद २३ नवंबर २०१३ को पांडेयपुर क्षेत्र में जिम से रोजाना की तरह बाहर निकले डिप्टी जेलर त्यागी पर सरेराह अंधाधुंध फायरिंग कर अमजद, वकील, राजेश चौधरी और रिंकू सिंह ने उनकी हत्या कर दी। इस वारदात को लेकर सात मई २०१४ को कैंट थाने की पुलिस ने खुलासा किया कि मऊ निवासी रमेश सिंह काका सहित छह बदमाशों ने डिप्टी जेलर की हत्या की थी।

हालांकि ९ जुलाई २०१७ को एसटीएफ की वाराणसी इकाई ने खुलासा किया कि डिप्टी जेलर की हत्या मुन्ना बजरंगी ने अपने गुर्गों अमजद, वकील, राजेश चौधरी और रिंकू सिंह से कराई थी। वहीं, उत्तर प्रदेश एसटीएफ के सीओ ने बताया कि प्रयागराज के अरैल में दो बदमाशों की मुठभेड़ में मौत हो गई। इनकी पहचान वकील पांडे उर्फ राजू पांडे (५०,००० का इनामी) और अमजद उर्फ पिंटू के रूप में हुई है। वाराणसी में २०१३ में इन्होंने डिप्टी जेलर अनिल त्यागी की हत्या कर दी थी

डिप्टी जेलर की हत्या के लिए रिंकू और अमजद ने छह पिस्टल की व्यवस्था की थी। प्रदेश की पुलिस को चुनौती देने वाली इतनी बड़ी वारदात के बाद भी चार साल तक वास्तविक आरोपियों का नाम सामने नहीं आया था। पुलिस और एसटीएफ एक अरसे से अमजद और वकील की तलाश कर रही थी। गुरुवार की सुबह में दोनों का एसटीएफ से आमना-सामना हुआ तो मुठभेड़ में वे ढेर हो गए।

किसानों के लिए खुशखबरी, सरकार ने लिया बड़ा फैसला, खेती में अब नहीं करना होगा ज्यादा खर्च

किसानों के लिए यह बड़ी खुशखबरी है. सरकारी फर्टिलाइजर कंपनी इफको ने ऐलान किया है कि वह गैर-यूरिया खादों की खुदरा कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं करेगा. अगले फसली सीजन को देखते हुए यह बड़ा ऐलान माना जा रहा है. इफको या 'इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड' विश्व का सबसे बड़ा उर्वरक सहकारिता संस्था है. यह संस्था फर्टिलाइजर बनाने और उसे बेचने का काम करती है. इफको ने कहा है कि इस साल खाद की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी.

इफको ने कहा है कि अलग-अलग फर्टिलाइजर जैसे कि डीएपी, एनपीके और एनपीएस के दाम नहीं बढ़ाए जाएंगे. इफको ने फर्टिलाइजर के दाम भी बताए हैं. इफको के मुताबिक, डीएपी की कीमत १२०० रुपये, एनपीके (१०-२६-२६) ११७५ रुपये, एनपीके (१२-३२-१६) ११८५ रुपये और एनपीएस की कीमत ९२५ रुपये प्रति बैग तय की गई है. यह रेट साल २०२१ के लिए निर्धारित है. रेट के बारे में इफको के एमडी यूएस अवस्थी ने ट्वीट में इसकी जानकारी दी.

इफको के एमडी अवस्थी ने कहा कि सहकारी संस्था इफको हमेशा किसानों की सेवा करने के लिए तैयार है और इस बात का ध्यान रखा जाता है कि खेती की लागत पर ज्यादा खर्च न हो. खेती-बाड़ी का खर्च घटाने के लिए इफको हमेशा प्रयासरत है. उन्होंने कहा कि पिछले रबी सीजन में भी इफको ने फर्टिल

इजर के दाम नहीं बढ़ाए थे. अवस्थी ने कहा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरक से जुड़े कच्चे मालों की कीमत बेतहाशा बढ़ी थी लेकिन इफको ने किसानों की सेवा में उर्वरकों के दाम नहीं बढ़ाए. इफको अपने इस प्रयास को आगे भी जारी रखेगा.

भारत में इफको पांच मैन्युफैक्चरिंग प्लाटं चलाता है. इसके अलावा इफको जनरल इंश्योरेंस, रूरल टेलीकॉम, रूरल रिटेल, एग्रोकेमिकल्स, फूड प्रोसेसिंग और ऑर्गेनिक्स के क्षेत्र में काम करता है. जीडीपी में टर्नओवर के हिसाब से देखें तो दुनिया के ३०० सहकारी संस्थाओं में इफको का नाम प्रथम है. इफको के तहत ३६ हजार मेंबर कोऑपरेटिव हैं और इसका टर्नओवर लगभग ७ अरब डॉलर है. इंटरनेशनल कोऑपरेटिव एलायंस (छ्ी) की ओर से जारी एनुअल वर्ल्ड कोऑपरेटिव मॉनिटर (ण्श) की रिपोर्ट में इफको को सहकारी संस्थाओं में पहला स्थान दिया गया है.

इससे पहले पिछले साल नवंबर में इफको ने एनपी फर्टिलाइजर की कीमतों में ५० रुपये की कमी का ऐलान किया था. ५० किलो एनपी फर्टिलाइजर की बोरी की कीमत ९२५ रुपये तय किए गए थे. एनपी में नाइट्रोजन और सुपरफॉस्फेट मिलाया जाता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने २०२२ तक किसानों की आय दुगनी करने का ऐलान किया है, इसे देखते हुए कृषि में आने वाली लागत को घटाना जरूरी है. इसे देखते हुए इफको ने एनपी उर्वरकर का दाम घटाने का निर्णय लिया. इफको ने यह भी कहा था कि जब-जब जरूरी होगा, उर्वरक के दाम घटाए जाएंगे. सल्फर के दाम भी प्रति टन १ हजार तक घटाने का फैसला किया गया था. उससे पहले एनपीके और डीएपी के दाम घटाने का निर्णय हुआ था.

कार चालक हो जाएं सावधान! 1 अप्रैल से आपके कार में नहीं मिला ये फीचर तो पड़ सकते हैं मुसीबत में

जानें क्या है सरकार का नया नियम

नई दिल्ली. अगर आप कार चलाते हैं तो आपके लिए बड़ी खबर है. भारत सरकार कार में फ्रंट एयरबैग को जरूरी बनाने जा रही है. अब १ अप्रैल से हर गाड़ी में ड्राइवर के साथ साथ को-पैसेंजर साइड में भी एयरबैग देना अनिवार्य होगा. सड़क और परिवहन मंत्रालय ने कानून मंत्रालय को इसे लेकर एक प्रस्ताव भेजा था जिसे मंजूरी दे दी गई है. बता दें कि सरकार ने कार में सफर करने वाले लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है. इसके लिए परिवहन मंत्रालय ने कानून मंत्रालय के पास एक प्रस्ताव भेजा था, जिसे कानून मंत्रालय ने ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री के इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति दे दी है.

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अगले तीन कामकाजी दिनों में इसके लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा. मतलब १ अप्रैल २०२१ के दिन या इसके बाद बनी कारों में दो फ्रंट एयरबैग जरूरी होगा. नोटिफिकेशन के मुताबिक, मौजूदा मॉडलों के लिए नया नियम ३१ अगस्त से लागू किया जाएगा. मूल रूप से, प्रस्तावित समय सीमा जून २०२१ थी जिसे अब बढ़ा दिया गया है. बता दें कि पिछले साल दिसंबर में सरकार ने अगले साल से सभी कारों में फ्रंट पैसेंजर के लिए एयरबैग को अनिवार्य बनाने के प्रस्ताव पर सुझाव मांगी थी.

पिछले कुछ सालों से भारत सरकार कारों को ज्यादा से ज्यादा सुरक्षित बनाने की दिशा में काम कर रहे है, नतीजतन अब पहले के मुकाबले किसी कार में स्टैंडर्ड रूप से कहीं ज्यादा सेफ्टी फीचर्स दिए जाते हैं जो कार चलाने वाले ड्राइवर के साथ ही पैसेंजर्स की सुरक्षा के लिए बेहद ही अहम हैं, इसीलिए सरकार इनपर जोर दे रही है और सख्ती से इन नियमों का पालन करवाया जा रहा है. ऑटो कंपनियां सरकार के दिशा निर्देश को देखते हुए कारों में इन फीचर्स को जोड़ रही हैं.

नोटिफिकेशन के मुताबिक एयरबैग्स AIS 145 Bureau of Indian Standards act, 2016 के तहत बने होंगे. अभी सभी कारों में सिर्फ ड्राइवर सीट के लिए एयरबैग अनिवार्य है, लेकिन साथ में बैठ्ठ यात्री के लिए एयरबैग जरूर नहीं है, जिससे दुर्घटना के वक्त गंभीर चोट और मौत का भी डर रहता है.

यदि बंगाल में हार गई ममता और जीत गई BJP तो...

प्रशांत किशोर ने बताया क्या होगा उनका भविष्य

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को पूरा भरोसा है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी एक बार फिर सत्ता में वापसी करेंगी। हाल ही में पंजाब में मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के मुख्य सलाहकार नियुक्त किए गए प्रशांत किशोर ने कहा है कि यदि बीजेपी बंगाल में सत्ता में आने में कामयाब रहती है या १०० से अधिक सीटें ले आती है तो वह 'चुनावी रणनीतिकार' का अपना काम छोड़ देंगे और कुछ पूरी तरह अलग करेंगे।

प्रशांत किशोर ने इंडिया टुडे टीवी से बात करते हुए कहा, ''यदि बीजेपी बंगाल में १०० से अधिक सीटें जीत लेती है तो मैं अपना काम छोड़ दूंगा। मैं ध्ईंण (कैंपेन कंपनी) भी छोड़ दूंगा। मैं कुछ और करूंगा, लेकिन यह काम नहीं। मैं यह काम छोड़ दूंगा। जो मैं हूं वह नहीं रहूंगा। आप फिर कभी मुझे किसी पार्टी के लिए चुनावी कैंपेन करते नहीं देखेंगे।''

यूपी में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के गठ्ठबंधन को जीत दिलाने में नाकाम रहे प्रशांत किशोर ने कहा कि उन्हें वहां काम करने की पूरी आजादी नहीं मिली थी। पीके ने कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश में हार गया, लेकिन वहां हमें वह नहीं करने दिया गया जो हम करना चाहते थे। लेकिन बंगाल में यह नहीं कह सकते हैं। बंगाल में दीदी ने मुझे पूरी आजादी दी है। यदि मैं बंगाल में हार जाता हूं, मैं यह मान लूंगा कि मैं इस काम के लिए फिट नहीं हूं।''

प्रशांत किशोर ने कहा कि बीजेपी केवल एक सूरत में बंगाल में जीत सकती है यदि टीएमसी के नेता आपस में ही लड़ेंगे। उन्होंने माना कि टीएमसी में कुछ आंतरिक कलह है और बीजेपी फूट का फायदा उड्डाने में अच्छी है। टीएमसी नेताओं में बीजेपी जॉइन करने की होड़ पर प्रशांत किशोर ने कहा कि यह भगवा दल की रणनीति का हिस्सा है। वे दूसरे दलों के नेताओं को लालच देते हैं। यदि आप पैसा, पद और टिकट का लालच देंगे तो हैरानी नहीं कि कुछ लोग आ जाएंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्यों टीएमसी छोड़ने वाले कई नेताओं ने कहा है कि वह प्रशांत किशोर की वजह से अलग हुए? चुनावी रणनीतिकार ने कहा, ''मैं यहां दोस्त बनाने के लिए नहीं हूं। मैं यहां पार्टी को जीत दिलाने के लिए हूं। जब मैं यह कर रहा हूं, कुछ लोगों को लग सकते है कि उन्हें साइडलाइन किया जा रहा है। यह एक प्रबंध है।''

आर्मी रिक्रूटमेंट का पेपर लीक करने वाले गिरोह को किया गिरफ्तार

मुंबई : भारतीय फौज में शामिल होकर देश की सेवा करने का सपना देश का हर नौजवान देखता है। हर युवक चाहता है कि वह भारतीय फौज में शामिल होकर देश के लिए अपनी जान हंसते-हंसते कुर्बान करें। और इसके लिए देश के नौजवान सालों कड़ा परिश्रम करते हैं, अपना पसीना बहाते हैं तब जाकर उन्हें भारतीय फौज में अपनी सेवा देने का मौका मिलता है। लेकिन कुछ चंद पैसों के लालच में कुछ गद्दारों देश की सबसे प्रतिष्ठित सेवा पर बदनुमा में दाग लगा दिया है। ताजा मामला पुणे शहर में सामने आया है जहां बीती 28 फरवरी को देश भर में होने वाली आर्मी की भर्ती का पर्चा लिक होने की खबर पुणे पुलिस को मिली।

परीक्षा के लिए पूरे देश में तैयारियां शुरू हो चुकी थी परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र तक पहुंच चुके थे लेकिन पुलिस को जिन लोगों के जरिए यह सूचना मिली थी उसे कंफर्म करना भी जरूरी था लिहाजा पुलिस ने दो टीमों को इस काम इस मामले की जांच की जिम्मेदारी सौंपी एक तरफ जहां पुणे पुलिस के एंटी एक्सटॉर्शन सेल इस काम में जुटी हुई थी वहीं दूसरी तरफ पुणे क्राइम ब्रांच भी मामले की तफ्तीश में शिद्दत से लगी हुई थी पुणे पुलिस जब आरोपियों की तरफ का पर्चा और परीक्षा केंद्र पर आया हुआ पर्चा मिलान करने पर बिल्कुल सही लगा तब पुलिस ने इस बात की सूचना मिलिट्री को दी आनन-फानन में 1 घंटे पहले इस परीक्षा को रद्द कर दिया गया अब इस मामले की जांच पुणे पुलिस के साथ मिलिट्री इंटेलिजेंस कर रही थी पुणे पुलिस के ज्वाइंट कमिश्नर डॉ रविंद्र शिष्य की निगरानी में पुलिस की दोनों टीमें आरोपियों की धरपकड़ में जुटी हुई थी इस गोरखधंधे से कुछ ऐसे लोग जुड़े हुए थे जिन्होंने अतीत में भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दी थी इसके अलावा कुछ ऐसे भी कोचिंग सेंटर थे।

जो भारतीय फौज में नौकरी दिलाने की ट्रेनिंग दिया करते थे ऐसे लोग मिलकर भारतीय देश की सबसे प्रतिष्ठित नौकरी को बदनाम करने की साजिश कर रहे थे यह लोग पर्चा लीक करवाकर उन तमाम परीक्षार्थियों की मेहनत पर पानी पीते थे ।जो घंटों मैदान पर पसीना बहाते थे और सालों साल पढ़ाई करते थे सिर्फ भारतीय फौज में शामिल होकर देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा लेकर। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है और आगे की पूछताछ शुरू है। पुलिस अब इस गैंग के मास्टरमाइंड तक भी पहुंचना चाहती है और यह भी पता लगाने की कोशिश शुरू है कि आखिर इसकी जड़ें सेना में कितनी गहरी जमी हुई है। डॉक्टर देवेंद्र शिष्य ने बताया कि यह अपराधी लीक किए गए परीक्षा के पेपर को एक से 3 लाख में बेचते थे ।पुलिस ने महाराष्ट्र में अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर इन 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।

लिस्ट से हट सकता है इस शहर का नाम

5 शहरों में होंगे आईपीएल 2021 के मैच?

मुंबई: भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2021 के मैचों लिए संभावित स्थानों के रूप में छह शहरों को शॉर्टलिस्ट किया था। देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या दोबारा बढ़ने के बाद हर फ्रेंचाइजी को अपने घरेलू शहर में खेल खेलने के लिए नहीं मिलेगा। अब तक सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स मेजबानी नहीं मिलने से चिंतित थे, लेकिन अब मुंबई को लेकर भी संशय के बादल मंडरा रहे हैं। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में कोरोना के मामलों में तेजी से वृद्धि के कारण मुंबई को आगामी सीजन की मेजबानी से हटाया जा सकता है। हालांकि, बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर अभी कुछ नहीं कहा है।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट के अनुसार, सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स अपने घरेलू मैदान पर मैच नहीं

खेलने खेलने को लेकर फिक्रमंद हैं और अब इसमें एक और टीम मुंबई इंडियंस का नाम भी जुड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई मुंबई इंडियंस के लिए एक वैकल्पिक शहर की तलाश कर रहा है, जहां टीम आगामी सीजन में खेल सके। बता दें कि अगर ऐसा होता है तो रोहित शर्मा की अगुवाई वाली डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई के लिए यह एक बड़ा झटका होगा, क्योंकि टीम ने पिछले कुछ वर्षों में वानखेड़े स्टेडियम में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, देश में लगभग आधे कोरोना वायरस के मामल अकेले महाराष्ट्र से सामने आ रहे हैं। भारत में कोरोना के करीब 169,000 सक्रिय मामले हैं, जिसमें महाराष्ट्र के 78,212 केस शामिल हैं। गौरतलब है कि आईपीएल के आगामी सत्र के लिए मेजबान के रूप में जिन शहरों की चर्चा हुई है, उनमें चेन्नई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, दिल्ली और कोलकाता का नाम है। इससे पहले बताया गया था कि मुंबई मेजबान शहरों में से एक होगा, लेकिन दर्शक स्टेडियम में नहीं आ सकेंगे। बीसीसीआई द्वारा अभी आईपीएल 2021 के पूरे शेड्यूल की घोषणा करना बाकी है। हालांकि, कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि आईपीएल की शुरूआत अप्रैल के दूसरे हफ्ते से हो सकती है। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में उम्मीद जताई गई है कि टूनामेंट 11 अप्रैल से शुरू होकर 6 जून तक चलेगा।

महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की एमपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी

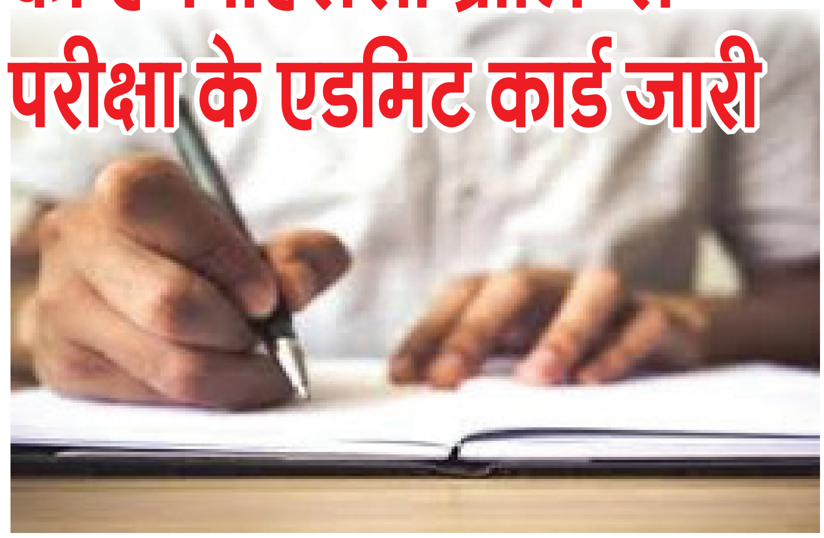

मुंबई: महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग ने एमपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा 2020 के एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। जिन उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए आवेदन किया था वो आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। आपको बता दें कि यह परीक्षा 14 मार्च 2021 को आयोजित होगी। महाराष्ट्र स्टे सर्विस एग्जामिनेशन विभिन्न विभागों ब्लॉक डेवल्पमेंट ऑफिसर, डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस आदि में भर्ती के लिए आयोजित का जाएगी। कुल 200 पदों पर भर्ती के लिए इस परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। आपको बता दें कि प्रीलिम्स परीक्षा में दो पेपर होंगे, जनरल स्टडीज और सिविल सर्विस एप्टीट्यूट टेस्ट। उम्मीदवार नीचे दिए गए लिंक से क्लिक करके एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

राज्य प्रशासन में ग्रुप ए, बी और सी तथा अन्य स्तरों पर भर्ती के लिए एमपीएससी की परीक्षा का आयोजन किया जाता है। यह परीक्षा पहले 3 मई 2020 को आयोजित होनी थी लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसे टाल दिया गया था। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) ने फरवरी में भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। यह भर्ती महाराष्ट्र सबऑर्डिनेट सर्विसेंस की नॉन-गजटेड ग्रुप-बी पोस्ट के लिए थी।

नीतीश कैबिनेट ने 90 हजार बैलेट यूनिट खरीदने के लिए किया 122 करोड़ का आवंटन

मुंबई : नीतीश मंत्रिमंडल ने बिहार पंचायत चुनाव को 10 चरण में कराने पर अपनी मुहर लगा दी है। इसके अलावा पंचायत चुनाव में 90 हजार बैलेट यूनिट (इव) यानी एश्ट खरीद के लिए 122 करोड़ रुपये का आवंटन भी कर दिया है। इसके अलावा लघु जल संसाधन विभाग से 2 अभियंता को जबरन सेवानिवृति पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। नीतीश मंत्रीमंडल की बैठक में छात्रवृति के लिए 75 फीसदी अटेंडेंस अनिवार्यता खत्म कर दिया गया है और भोजपुर मेडिकल कॉलेज के लिए 550 करोड़ राशि जारी कर दी गई है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) मतों को दर्ज करने

का एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन दो इकाइयों से बनी होती हैं - एक कंट्रोल यूनिट और एक बैलेटिंग यूनिट। ये दोनो पाँच मीटर केबल से जुड़ी होती हैं। कंट्रोल यूनिट पीठासीन अधिकारी या मतदान अधिकारी के पास रखी जाती है और बैलेट यूनिट को मतदान कम्पार्टमेंट के अंदर रखा जाता है। मतपत्र जारी करने के बजाय, कंट्रोल यूनिट के प्रभारी मतदान अधिकारी कंट्रोल यूनिट पर मतपत्र बटन दबाकर एक मतपत्र जारी करते है। इसके बाद मतदाता अपनी पसंद के उम्मीदवार और सिंबल के सामने बैलेट यूनिट पर नीले बटन को दबाकर अपना वोट डालते हैं।

चुनाव आयोग ने बिहार में पंचायत चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि इस बार बिहार में मुखिया - सरपंच का चुनाव एश्ट से कराया जाएगा। यानी बिहार पंचायत चुनाव में पहली बार मल्टी पोस्ट ईवीएम का इस्तेमाल किया जाएगा। बता दें कि पहले पंचायत चुनाव की प्रक्रिया बैलेट पेपर के जरिए पूरी की जाती थी जिसमें अलग-अलग मतपत्रों पर मुहर लगाने की व्यवस्था थी। लेकिन, इस बार हर बूथ पर मल्टी पोस्ट ईवीएम की व्यवस्था की जाएगी। ईवीएम से पंचायत चुनाव कराने के राज्य निर्वाचन आयोग के प्रस्ताव पर बिहार सरकार ने भी मुहर लगा दी है। बिहार सरकार द्वारा पंचायत चुनाव में मल्टी पोस्ट ईवीएम से चुनाव कराने के प्रस्ताव पर मुहर लगाने के बाद यह तय हो गया है कि पंचायत चुनाव मल्टी पोस्ट एश्ट के जरिए ही होंगे।

टीकाकरण का दूसरा फेज शुरू, बुजुर्गों में भारी उत्साह के चलते कोविड सेंटर्स में भीड़

मुंबई : महाराष्ट्र में बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच कोरोना टीकाकरण अभियान जारी है. सोमवार से 60 साल से अधिक उम्र वाले और 45 साल से अधिक उम्र वाले य, , का टीकाकरण शुरू कर दिया गया है. महाराष्ट्र में नागपुर और मुंबई इन दो शहरों में सबसे ज्यादा कोरोना के संक्रमित लोग पाए गए हैं.

रविवार को टीकाकरण की घोषणा होने के बाद इन दोनों ही शहरों में बुजुर्गों में टीकाकरण को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला. नागपुर की बात करें तो शहर के 11 केंद्रों में बुजुर्गों की भारी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई थी, लेकिन सही से मैनेजमेंट न हो पाने के चलते काफी कम लोगों का ही टीकाकरण हो सका. सोमवार को पूरे दिन में नागपुर जिले में 60 साल से ज्यादा उम्र वाले 702 लोगों का टीकाकरण करवाया गया, वहीं 45 साल के ऊपर वाले ऐसे लाभार्थियों को टिका दिया गया, जिन्हें गंभीर बीमारियां हैं. शहर की तुलना में ग्रामीण हिस्सों के 12 केंद्रों में काफी कम टीकाकरण किया गया.

मेरठ में सामने आया फिल्म 'बाला' जैसा मामला, 1 साल बाद खुली पोल तो पत्नी ने मांगा तलाक

मेरठ : आपने आयुष्मान खुराना की फिल्म बाला तो देखी ही होगी इस फिल्म में एक्टर आयुष्मान ने एक ऐसे शख्स की भूमिका अदा की थी जिसके बाल झड़ गए हैं और उसने अपनी होने वाली पत्नी से झूठ बोलकर शादी कर ली थी, कुछ ऐसी ही मामला यूपी के मेरठ सामने आया है। जहां शादी के एक साल बाद पत्नी को पता चला कि पति के जिन घुंघराले बालों से इंप्रेस होकर उसने शादी रचाई थी, वह बाल ही नकली हैं। जिसके बाद युवती ने पति से तलाक की डिमांड करते हुए परिवार परामर्श केंद्र में अर्जी लगा दी। युवती पति से तलाक लेने की बात पर अड़ी रही। फिलहाल दंपति को सुनवाई के लिए अगली डेट दी गई है।

रअसल मेरठ की रहने वाली एक युवती की शादी वर्ष 2020 में गाजियाबाद निवासी युवक के साथ हुई थी। युवती के मुताबिक जब उसका रिश्ता तय किया गया उस समय उसके पति के सिर पर काले घने घुंघराले बाल थे। युवक की हैंडसमनेस से प्रभावित होकर युवती ने शादी के लिए ह्यहांह्ल कर दी थी।

युवती के मुताबिक शादी के कुछ समय बाद तक सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा। मगर उसे शक तब हुआ जब उसका पति उसके सामने कंघी करने से कतराने लगा। जिसके बाद युवती चोरी-छुपे अपने पति पर नजर रखने लगी। इसी बीच एक दिन उसने अपने पति को विग लगाते देखा तो युवती के होश उड़ गए।

पति के ह्यगंजेपनह्ल की पोल खुलने के बाद पत्नी की उससे जमकर बहस हुई। जिसके बाद वह अपने मायके वापस लौट आई। मेरठ पहुंची युवती ने पति से तलाक की डिमांड करते महिला थाने में प्रार्थना पत्र दिया। जिसके बाद बुधवार को दोनों पक्षों को सुनवाई के लिए परिवार परामर्श केंद्र में बुलाया गया था। मगर इस दौरान युवती पति से तलाक लेने की बात पर अड़ी रही।

पत्नी का कहना था कि पति के ह्यगंजेपनह्ल के कारण उसे अपने रिश्तेदारों में शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। परिवार परामर्श केंद्र की प्रभारी मोनिका जिंदल ने बताया कि युवती को काफी समझाने का प्रयास किया गया। लेकिन वह अपने पति से तलाक लेने की बात पर अड़ी रही। जिसके बाद फिलहाल दोनों पक्षों को सुनवाई के लिए अगली तारीख दी गई है।

मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

नवी मुंबई : मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने के नाम पर सैकड़ों युवकों के साथ ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में वाशी पुलिस ने शिपिंग कंपनी के तीन लोगों के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज किया है। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। शिकायत दर्ज कराने के साथ ही ठगी के शिकार लोगों ने शिपिंग कंपनी के कार्यालय के बाहर हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार, वाशी रेलवे स्टेशन के पास स्थित अक्वारियर्स मरीन शिपिंग कंपनी के मंजूर अंसार, आदर्श पांडेय, पीयू शर्मा के खिलाफ वाशी पुलिस ने ठगी का मामला दर्ज किया है। तीनों आरोपियों ने शिपिंग कंपनी में मर्चेंट नेवी की नौकरी दिलाने का विज्ञापन दिया था। इसके बाद युवकों को झांसा देकर ठगी का शिकार बनाया गया।

ठगी के शिकार लोगों ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि युवकों से टिकट और वीजा के नाम पर एक लाख 20 हजार रुपये जमा करने के लिए कहा गया था। यह पैसा उनके अकाउंट में जमा करने के बाद पासपोर्ट, सीडीसी जमा कर लिए। इस दौरान बताया गया कि यूएई का टिकट घर पर लाकर देंगे। वे इसके इंतजार में बैठे रहे।

काफी दिन बीत जाने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिल रहा था, तो ठगी के शिकार लोग कार्यालय गए। वहां देखा कि कार्यालय बंद है। उनके नंबर पर फोन किए जाने पर कोई जवाब नहीं मिला। इस से साफ हो गया कि उनके साथ ठगी हुई है। इतना ही नहीं कार्यालय के बाहर और भी युवकों का आना शुरू हो गया। सभी युवकों ने मिलकर वाशी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। अभी तक 16 लोगों के साथ 14 लाख से अधिक ठगी किए जाने की शिकायत दर्ज कराई गई है। लेकिन ठगी के शिकार युवकों की मानें तो 100 से अधिक लोगों के साथ ठगी की गई है।

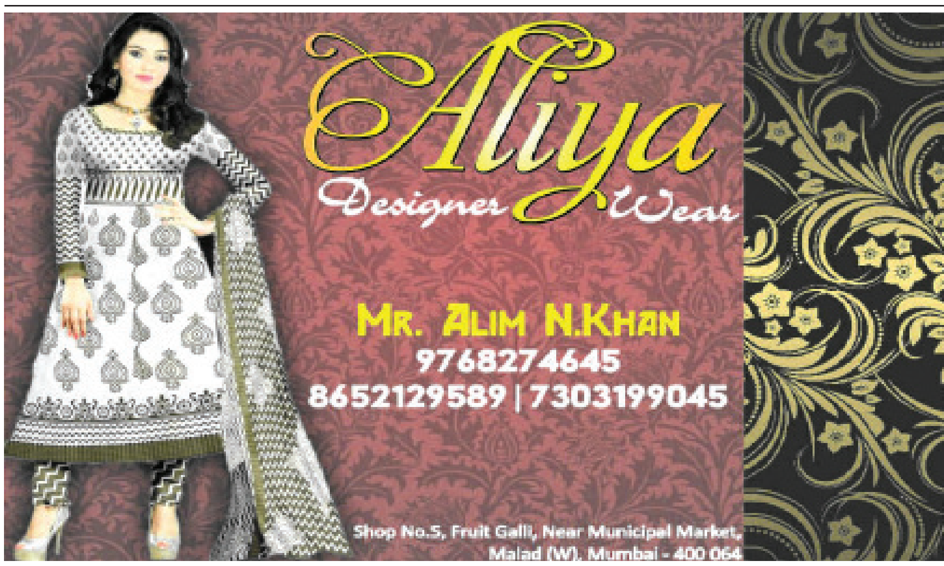

दरिंदों की शर्मनाक हरकत, नाबालिग को धोखे से बंधक बनाकर तीन दिन तक किया गैंग रेप

मुंबई : झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा से एक शर्मनाक खबर सामने आई है। यहां स्थित सदर अस्पताल के एक जर्जर फ्लैट में ग्रामीण क्षेत्र से आई एक नाबालिग लड़की को तीन दिनों तक बंधक बनाकर गैंग रेप किया गया। पड़ोसियों को जब भनक लगी तो इसकी सूचना सदर थाना को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लड़की को बरामद कर लिया है और लड़की से पूछताछ के आधार पर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग लड़की शहर में कुछ काम से आई थी। उसी दौरान युवकों ने लड़की को बहला-फुसलाकर रोक लिया और रात होने पर सदर अस्पताल परिसर स्थित एक जर्जर कमरे में ले गए, जहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोप है कि युवकों ने तीन दिनों तक लड़की को उसी कमरे में रखा और उसके साथ कई बार रेप किया। अस्पताल कैंपस में रहने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को जब इसकी भनक लगी तो उन्हें फ्लैट के पीछे जाकर देखा, तो वहां नाबालिग लड़की अंदर थी और फ्लैट के पीछे का दरवाजा टूटा हुआ था। स्वास्थ्यकर्मियो ने इसकी सूचना सदर थाना पुलिस को दी। सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर पीड़िता को कब्जे में लिया और उससे पूछताछ की। नाबालिग ते बयान के आधार पर पुलिस ने तीन युवकों को हिरासत में लिया। सदर थाना प्रभारी निरंजन तिवारी ने बताया कि गिरफ्तार युवकों ने तीन दिनों तक सदर अस्पताल के एक जर्जर फ्लैट में लड़की को रखा हुआ था। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। नाबालिग लड़की का सदर अस्पताल में मेडिकल जांच कराया गया है।

पीएम ने उज्ज्वला योजना की 8 करोड़वीं लाभार्थी का दिया था प्रमाण पत्र

आज वह सिलिंडर के लिए कर रही संघर्ष

मुंबई: केंद्र सरकार की उज्ज्वला योजना की आठ करोड़वीं लाभार्थी आयशा शेख को बार-बार गैस के दाम में हो रही वृद्धि की वजह से सिलिंडर भरवाने के लिए दाम चुकाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। बता दें गरीबी रेखा से नीचे रह रहीं महिलाओं को मुफ्त में गैस कनेक्शन मुहैया कराने की पहल के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2019 स्वयं शेख को उज्ज्वला प्रमाणपत्र दिया था।

शेख की तरह ही औरंगाबाद जिले की लोहगांव निवासी मंदाबाई पाब्ले को भी रसोई गैस सिलिंडर खरीदने में मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। मराठी समाचार चैनल पर उनका वीडियो प्रसारित हुआ है, जिसमें वह मिट्टी के चूल्हे पर लकड़ी जलाकर खाना बनाती हुई दिख रही हैं। उल्लेखनीय है कि 30 वर्षीय शेख को सात सितंबर 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्ज्वला योजना की आठ करोड़वीं लाभार्थी के तौर पर प्रमाण पत्र दिया था।

शेख ने नाराजगी जाहिर करते हुए एक समाचार चैनल से कहा, 'एलपीजी सिलिंडर की कीमत अब मेरे कमरे के किराए से अधिक हो गया है। मैं 600 रुपये किराया देती हूं जबकि रसोई गैस की कीमत 700 से अधिक हो गई है। हम क्या करें? गैस सिलिंडर के लिए खर्च करूं या बाकी खर्चे चलाऊं?'

शेख पांच बच्चों की मां है और दिहाड़ी मजदूरी कर गुजारा करती हैं। वह औरंगाबाद जिले के अजंगता गांव के इंदिरानगर में रहती हैं। उन्होंने कहा, 'हमें मुफ्त में गैस कनेक्शन मिला था। एक महीना सिलिंडर इस्तेमाल करने के बाद हम उसे दोबारा भरवा नहीं सके। एक महीने के बाद हमने अपने खर्चों में कटौती कर गैस सिलिंडर भरवाया।'

उन्होंने कहा कि किराया नहीं देने पर मकान मालिक ने कमरा खाली करा लिया। तब से हम अपनी बहन के घर हैं। उन्होंने यह भी कहा, 'गैस सिलिंडर महंगा हो गया है, मैं अब इसे वहन नहीं कर सकती। यह नाममात्र के लिए मुफ्त है। हम खेत में रहते हैं और दूसरों से अधिक पैसा देकर सिलिंडर देने के लिए कहना पड़ता है। सिलिंडर आपूर्ति घर पर नहीं होती।'

कांग्रेस के मुख्यमंत्री की सरकारी अधिकारी नहीं सुनते, - राहुल गांधी

नई दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों की सरकारी अधिकारी बात नहीं मानते। कौशिक बसु के साथ बातचीत में राहुल ने अपनी पार्टी के एक पूर्व मुख्यमंत्री के बारे में बताया कि उन्होंने ही यह जानकारी दी थी। राहुल का इशारा मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ की ओर था। राहुल के मुताबिक पूर्व मुख्यमंत्री ने उन्हें बताया था कि सीनियर अधिकारी उनकी नहीं सुनते। मुख्यमंत्री अधिकारियों को आदेश देते हैं, लेकिन वे उस पर अमल नहीं करते। उन्होंमे यह भी बताया कि चुनावों में बीजेपी को हराने और सरकार बना लेने से भी खास फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि आरएसएस के लोग अब सरकारी संस्थानों में पहुंचा दिए गए हैं। राहुल ने कहा कि उनकी पार्टी के

इस मुख्यमंत्री को थोड़े दिनों बाद ही सत्ता से बाहर कर दिया गया।

कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस पर जम कर हमला बोला। राहुल ने कहा कि देश की मौजूदा सरकार भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि भारत में हर संस्था की स्वतंत्रता पर हमला किया जा रहा है। आरएसएस हर जगह घुसपैठ कर रहा है। राहुल ने 1975 में लगाई गई इमरजेंसी को इंदिरा गांधी की गलती बताते हुए कहा कि उस समय जो हुआ, वो मौजूदा माहौल से एकदम अलग था। कांग्रेस की सरकार ने कभी संस्थाओं पर कब्जा करने की कोशिश नहीं की, न ही दबाने की कोशिश की। मौजूदा सरकार में केवल एक ही संस्था को खुल कर काम करने की आजादी है, वो है आरएसएस। राहुल ने एक वाकया याद करते हुए बताया कि मिस्त्र में जब होस्नी मुबारक 97 प्रतिशत वोटों के साथ जीते तो उन्हें बड़ा आश्चर्य हुआ। राहुल यह विश्वास नहीं कर पा रहे थे कि किसी को इतना समर्थन मिल सकता है। उन्हें इसकी सच्चाई का पता तब चला जब वे कुछ वर्षों बाद एक कॉन्फ्रेंस में भाग लेने मिस्त्र गए। वहां उनके बगल वाली कुर्सी पर एक जज बैठा था। उन्हें अटपटा लगा लेकिन यह समझ गए कि मिस्त्र में सभी संस्थाओं पर एक ही पार्टी और विचारधारा का कब्जा था।

सड़क दुर्घटना में मारे गये युवक के परिजन को 9.37 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश

मुंबई : महाराष्ट्र में मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) ने वर्ष 2018 में सड़क दुर्घटना में मारे गए 20 वर्षीय युवक के माता-पिता को 9.37 लाख रुपये का मुआवजा दिये जाने का आदेश दिया है। अधिकरण ने यह आदेश 25 फरवरी को दिया और 28 फरवरी को इसकी प्रति उपलब्ध हुई।

एमएसीटी के सदस्य आर एन रोकड़े ने मामले में दोषी ट्रक मालिक और वाहन का बीमा करने वाली कंपनी को शिकायतकर्ता के अर्जी दाखिल करने की तिथि से आठ प्रतिशत ब्याज के साथ उसे मुआवजा देने का आदेश दिया। दावाकर्ता पास के मुंबई में चांदीवली के रहने वाले हैं। उन्होंने अधिकरण को बताया कि उनका बेटा हिमालय बिष्ट मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की पढ़ाई कर रहा था और साथ में एक कंपनी में काम भी करता था। उसे हर महीने 8,000 रुपये वेतन मिलता था।

उन्होंने बताया कि 19 अगस्त, 2018 को मोटरसाइकिल से घर लौटते समय ठाणे के माजीवाड़ा में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। वह बाइक पर पीछे बैठा था। उन्होंने बताया कि पीड़ित मोटरसाइकिल से गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोटें आयीं जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी।

माता-पिता ने कहा कि वे अपने बेटे पर आश्रित थे और इसलिए उन्हें मुआवजा मिलना चाहिए। ट्रक मालिक और बीमाकर्ता कंपनी ने शिकायतकर्ता के दावे का विरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अधिकरण ने कहा कि दुर्घटना ट्रक चालक के लापरवाही से वाहन चलाने के चलते हुई। इसलिए दोनों पक्ष मुआवजे का भुगतान करें।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 मार्च 2021

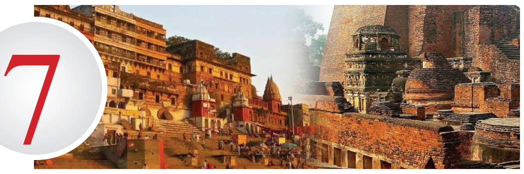

चार लड़कों के साथ घर से भागी लड़की शादी को लेकर हो गई कन्फ्यूज, जानिए कैसे लिया फैसला

उत्तर प्रदेश के रामपुर के टांडा इलाके में चार लड़कों के साथ भागी एक लड़की शादी

किससे करे इसे लेकर कन्फ्यूज हो गई। वह यह तय नहीं कर पा रही थी कि शादी किससे करे। उसे ये ही समझ नहीं आ रहा था उसे कौन सा लड़का ज्यादा पसंद है। तब यह मामला पंचायत में गया और अंततः पर्ची डालकर फैसला करना पड़ा।

मामला टांडा कोतवाली के अजीमनगर थाना क्षेत्र का है। इसकी चर्चा पूरे जिले में हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार लड़की का कन्फ्यूजन इतना बढ़ा कि बाकायदा पंचायत बैठी। फिर पर्ची डालकर फैसला किया गया। पांच दिन पहले लड़की इन चार लड़कों के साथ घर से भाग गई थी। लड़कों ने लड़की को दो दिन अपनी रिश्तेदारी में छिपाए रखा लेकिन उसके बाद पकड़े गए। लड़की के परिवारवाले लड़कों के खिलाफ मुकदमे की तैयारी करने लगे, इसी बीच मामला पंचायत में चला गया। पंचायत ने शादी करने का प्रस्ताव रख दिया। जब लड़की से पूछा गया तो वो यह तय नहीं कर पा रही थी कि आखिर वह किसे अपना पति बनाए।

उधर, लड़के भी उससे शादी करने तैयार नहीं थे। चारों में से एक भी लड़का अपनी मर्जी से उससे शादी नहीं करना चाहता था लेकिन पंचायत के कहने पर उन्हें पर्ची डालकर लिए गए फैसले को स्वीकार करना पड़ा। बताया जा रहा है कि पंचों ने तीन दिन तक बंद कमरे में इस समस्या पर मंत्रणा कर शादी के फैसले का यह तरीका निकाला।

पंचायत के फैसले के बाद चारों लड़कों के नाम की पर्ची एक कटोरी में डाली गई। फिर एक छोटे बच्चे से इसमें से एक पर्ची उठाने को कहा गया। बच्ची के पर्ची निकालने के बाद यह मामला सुलझ गया। लड़की की शादी उस लड़के से तय हो गई जिसका नाम पर्ची में निकला था।

पूर्व सैनिकों के हक में योगी सरकार का बड़ा फैसला, समूह ख के पदों पर मिलेगा पांच फीसदी आरक्षण

योगी सरकार ने भूतपूर्व सैनिकों को समूख ख के पदों पर भर्ती में पांच फीसदी आरक्षण देने का निर्णय लिया है। अभी तक समूह ग और घ में पांच फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था है। विधानसभा में बुधवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण) (संशोधन) विधेयक-२०२१ विधानसभा में पेश किया गया।

शारीरिक रूप से विकलंग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों

के आश्रितों और भूतपूर्व सैनिकों के पक्ष में पदों के आरक्षण की व्यवस्था करने के लिए वर्ष १९८३ में अधिनियम बनाया गया। इसमें वर्ष १९९९ में संशोधन करते हुए समूह क व समूह ख के पदों से अलावा अन्य पदों पर भर्ती में भूतपूर्व सैनिकों के लिए पांच फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की गई।

अब राज्य की अधीनस्थ लोक सेवाओं और तत्संबंधी पदों पर भूतपूर्व सैनिकों को समूह ख के पदों पर भी पांच फीसदी आरक्षण प्रदान करने का विनिश्चय किया है।

एक-दूसरे से शादी करने पर अड़ीं अमरोहा की दो युवतियां, फिर परिजनों को आया ये आइडिया

दो युवतियों ने आपस में शादी करने के एलान से अपने परिजनों के सामने असहज स्थिति पैदा कर दी। बुधवार को दोनों के परिजनों ने रिश्तेदारों की पंचायत बैङ्गाई। रिश्तेदारों ने समझाकर किसी तरह दोनों को अपने-अपने घर जाने पर रजामंद किया।

मामला डिडौली कोतवाल ी क्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाली बीस वर्षीय युवती की रिश्तेदारी गजरौल ा थाना क्षेत्र के गांव में है। डिडौली क्षेत्र की युवती दो साल पहले गजरौला क्षेत्र की युवती के संपर्क में आई थी। दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो

गई। दोनों युवतियां अक्सर एक-दूसरे के घर कई दिनों तक आकर ठहरती थीं।

बुधवार सुबह गजरौल ा निवासी युवती डिडौल ी के गांव में रहने वाली दूसरी युवती के घर पहुंच गई और आपस में बातचीत की। इसके थोड़ी ही देर बाद दोनों युवतियां ने एक-दूसरे से शादी करने का इरादा परिजनों को बताया।

युवतियों की बात सुनकर परिजन हैरान रह गए। उन्होंने दोनों की शादी से साफ इनकार कर दिया। लेकिन परिजनों के इनकार पर युवतियों ने शादी की जिद पकड़ ली। इससे परिजनों को होश उड़ गए। कुछ देर बाद युवतियों ने हंगामा शुरू कर दिया।

इसके बाद दोनों परिवारों ने रिश्तेदारों की पंचायत बैङ्गाई। काफी मशक्कत के बाद पंचायत ने समझाकर युवितयों को शांत कराया। इसके बाद गजरौला का परिवार अपनी बेटी को साथ घर ले गया। इंस्पेक्टर अजय कुमार ने मामला संज्ञान में होने से इंकार किया है।

बंगाल में दीदी के साथ आए उद्धव, चुनाव नहीं लड़ेगी शिवसेना

3संजय राउत ने लिखा, 'पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से चर्चा के बाद अपडेट है.... आज के परिदृश्य को देखते हुए साफ है कि पश्चिम बंगाल में दीदा बनाम सभी की लड़ाई है। सभी 'एम' मनी, मसल और मीडिया को 'एम' ममता दीदी के खिलाफ प्रयोग किया जा रहा है। इसलिए शिवसेना ने फैसला लिया है कि पश्चिम बंगाल का चुनाव नहीं लड़ेंगे।'

बंगाल चुनाव न लड़ने के फैसले के साथ ही संजय राउत ने आगे ममता बनर्जी की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'शिवसेना ममता बनर्जी के साथ है। हम आशा करते हैं कि ममता दीदी को बड़ी सफलता मिले। हमें यकीन है कि वह वास्तव में बंगाल की शेरनी हैं।'

मुंबई शहर के पत्रकार, समाजसेवक एवं कार्यसम्राट श्री.मोहम्मद सईद शेख की कुछ खास बाते!

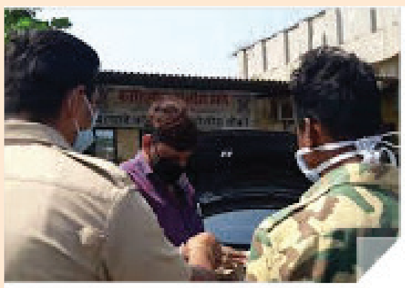

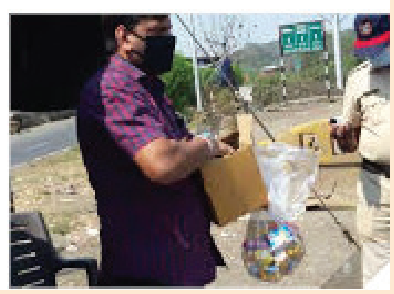

मुंबई : ये वो नाम है जो किसी परिचय के मोहताज नही है नेता होते है जो करते कुछ नही है और बताते बहुत कुछ है, लेकिन मोहम्मद सईद शेख वो शख्स है जो करते बहुत कुछ है, लेकिन बताते कुछ नही है। पूरे मुंबई शहर में महामारी के समय लोग अपने परिवार की चिंता में डूबे थे लेकिन मोहम्मद सईद शेख ने अपने परिवार की चिंता ना करते हुए लोगो की परेशानियों को हल करने में अपना पूरा महामारी का समय बिताया। जानकार बताते है कि सईद साहब ने कभी भी समय की परवाह नही की। अपने हाथों से लोगों के घरों में अपने साथियों के साथ खुद जा-जा कर उन्हें सेनिटाइजर, मास्क के आलावा चावल, दाल, गेहू, शक्कर और तेल जैसी खाद्य पदार्थों के साथ रुपयों की भी मदत की है।

श्री संतोष गुप्ता के अनुसार अगस्त महीने की बात है सईद साहब के सामने अचानक एक ऐसे परिवार की तकलीफ का पता चला पता चलते ही अन्नं फानन में सईद साहब उस घर पर जा पहुचे जहा उस घर के लोगो की आखरी उम्मीद भी खत्म हो जा रही थी लेकिन कहेते है ना भगवान भूका उठता है लेकिन भूखा सुलाता नही है और भगवान किसी ना किसी रूप में आकर अपने बन्दे की मदत करता है। उस घर के लोगो का यह मानना है कि उस वक्त भगवान सईद साहब के रूप में आकर उनके परिवार वालो की मदद की है।

परिसर के एक रहिवाशी श्री बलराम गदर बताते है कि हाल ही में सईद साहब के कार्य को देखते हुये मात्र ३१ वर्ष के आयु में दिनांक १ फरवरी २०२१ के रोज इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज होने पर मेडल और सर्टिफिकेट से सम्मनित किया गया, इससे लोगो में और भी सईद साहब के प्रति मान सम्मान बड़ने के साथ साथ चर्चा में आ गये।इस उम्र में लोग अपने खुद के घर परिवार, अपने प्रियजन और अपने भविष्य को संवारने में लगे रहते हैं। अभी १६ अप्रैल २०२१ को उनका जन्मदिन है। पिछले १२ साल से सईद भाई अपने जन्मदिन के अवसर पर हमेशा एक नए कार्य की शुरूआत करते हैं और उसी को जन्मदिन मनाना मानते हैं। नई पीढी के लिए यह एक आदर्श होना चाहिए।उम्मीद है कि इस जन्मदिन पर भी १६ अप्रैल २०२१ को अपने जन्मदिन के शुभ अवसर पर सईद साहब लोगों के लिए एक नए कार्य की शुरूआत करके समाज को अनमोल तोहफा देंगे।

सईद साहब ने फाइट अगेंस्ट क्रिमिनल नामक एक बहुचर्चित अखबार की स्थापना भी की है और उसमे मुख्य संपादक पद भी संभाले हुये है। इसी के साथ जनसेवा सोशल फाउंडेशन के संस्थापक के रूप में लोगों की सेवा करना यह उनका अपना एक शौक है, जिसे समाज में परेशान लोगों की मदद करना वह अपना परम कर्तव्य समझते है।

कई जानकार यह भी बताते हैं कि सईद साहब आज भी किसी की कोई भी परेशानी क्यों ना हो सईद साहब उनके दुःख तकलीफ में बराबर खड़े रहते हैं, मतलब उन्हें यह एहसास नहीं होने देते कि इस वक्त तकलीफ में वह अकेले हैं। इसी बात पर जब हमारे संवाददाता ने शेख सईद साहब से एक मुलाकात किये जाने पर उनके मन में और समाज के लिये क्या करने की इछा है? यह जानना जरुरी था।

सईद साहब के अनुसार अब उनकी यह कोशिश होगी कि सरकारी अस्पतालों में मरीज को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में एम्बुलेंस का इस्तेमाल किया जाता है और अक्सर एम्बुलेंस वाले मरीज से मन चाहा किराया लेते है यह सब देखते हुए सईद साहब अपने एन. जी.ओ. के माध्यम एक निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा की शुरूआत करने वाले है। सईद साहब की दूसरी सोच यह भी है कि सरकारी स्कुलो में अध्यापक अपने विद्यार्थी पर कोई खास ध्यान नही देते और निजी (प्राइवेट) स्कुल वालो की फीस इतनी होती है कि परिजन अपने बच्चो को शिक्षा दे या ना दे यह विचार में ही रहे जाते है इसी कारण कई बच्चे शिक्षा से वंचित रहे जाते है इसी सब बातो को देखते हुये एक प्रायमरी स्कुल की शुरूवात करने के प्रयास में लगे है।

हम भी सभी पाठ्को और महाराष्ट्र क्राईम्स परिवार यह प्रार्थना करते हैं कि सईद साहब अपने मकसद में कामयाबी की सीढियां चढते जाएं। इन अच्छे विचारों में उन्हें कामयाब बनाये।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर-१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं-३, तिलक नगर, चेम्बुर,मुंबई-४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू),मुंबई-४०००८३ से प्रकाशित किया ।
संपादक- सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७